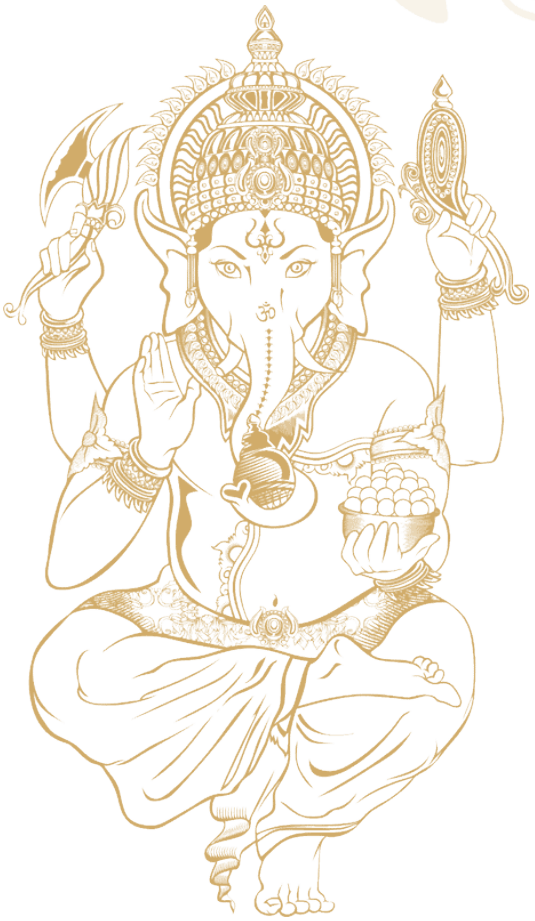

pranshu

dikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121226902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/10/2000	जन्म तिथि	13/09/2000
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:45:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 21:05:07	जन्म समय(घटी)	37:44:42 घटी
India	देश	India
Hardoi	स्थान	Shahjahanpur
27:23:00 उत्तर	अक्षांश	27:53:00 उत्तर
80:06:00 पूर्व	रेखांश	79:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:09:36	स्थानिक संस्कार	-00:10:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:57	सूर्योदय	05:54:39
17:27:25	सूर्यास्त	18:17:13
23:51:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 4मा 28दि		19:11:10	कुंभ	लग्न	मेष	23:12:59	गुरु 9वर्ष 8मा 1दि	
शुक्र		13:23:29	तुला	सूर्य	सिंह	27:16:25	शनि	
30/03/2021		19:28:49	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	25:16:29	16/05/2010	
30/03/2041		03:14:09	कन्या	मंगल	सिंह	04:00:39	16/05/2029	
शुक्र	29/07/2024	12:42:56	तुला व	बुध	कन्या	15:15:08	शनि	19/05/2013
सूर्य	30/07/2025	15:49:02	वृष व	गुरु	वृष	16:57:11	बुध	27/01/2016
चन्द्र	30/03/2027	19:37:00	वृश्चि	शुक्र	कन्या	22:41:05	केतु	07/03/2017
मंगल	29/05/2028	05:12:26	वृष व	शनि व	वृष	07:06:54	शुक्र	07/05/2020
राहु	30/05/2031	24:09:01	मिथु व	राहु व	मिथु	29:12:32	सूर्य	19/04/2021
गुरु	28/01/2034	24:09:01	धनु व	केतु व	धनु	29:12:32	चन्द्र	18/11/2022
शनि	30/03/2037	23:02:14	मक	हर्ष व	मक	23:45:02	मंगल	28/12/2023
बुध	29/01/2040	09:59:17	मक	नेप व	मक	10:11:54	राहु	03/11/2026
केतु	30/03/2041	17:34:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:26:42	गुरु	16/05/2029

लग्न-चलित

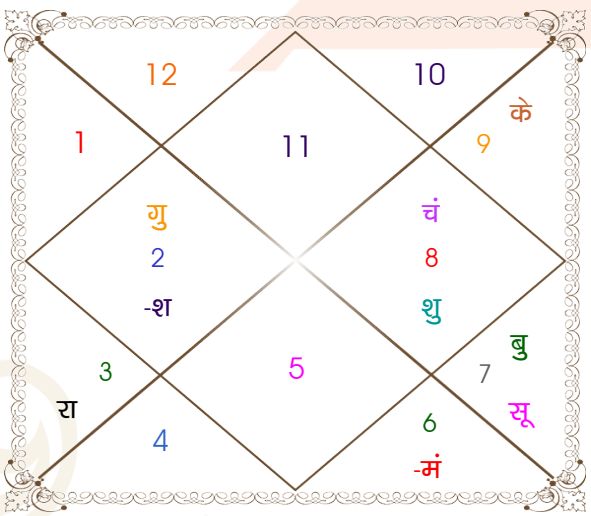

लग्न-चलित

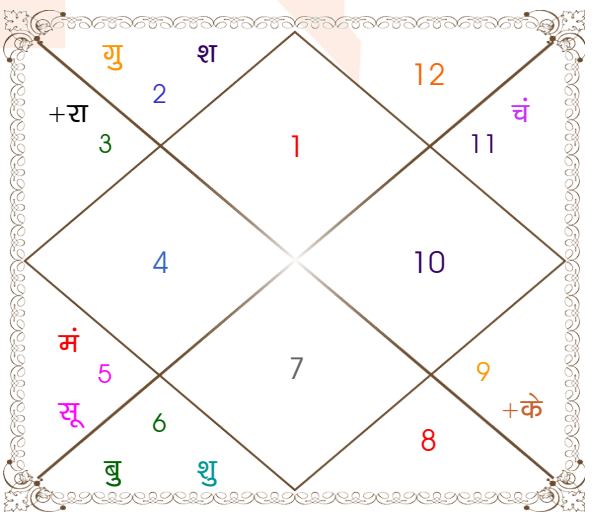

Acharya Sandeep Shastri
Greater Noida
9315747415
astrosankalp108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

pranshu का वर्ग सर्प है तथा dikha का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार pranshu और dikha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

pranshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

dikha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु dikha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

pranshu तथा dikha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।